

275. λάβοιμι] Leg. σέβοιμι. Cf. Eum. 715. αἵματηρὰ πράγματι — σέβεις.

276. Vehementer suspicor Aeschylum scripsisse εὐπτερος φάτις.

280. Cf. Pr. 810. ἕως ἂν ἐξίκη καταβασμόν.

284. φανόν mss. Scrib. πανός. Ammonius comicos φανός, tragicos autem πανός dixisse docet. Cf. schol. Pac. 841. Post h. v. trimetros duos excidisse suspicatur Weilius, quorum alter fuerit πεύκη προσαιθρίζουσα πόμπιμον φλόγα, collata Hesychii glossa προσαιθρίζουσα πόμπιμον φλόγα.

286. νωτίσαι] Cf. Hesiod. Th. 781. ἀγγελίη πωλεῖται ἐπ' εὐρέα νῶτα θαλάσσης.

289. σκοπῶ Hart.

301. Cf. Sept. 855. ἐρέσσει' ἀμφὶ κρατὶ πόμπιμον χεροῖν πίτυλον. et v. προσαιθρίζειν Fr. 403 D. et οὐρανίζειν 436 N. Anglice, wafting to the sky the missive (messenger) flame.

τῶν εἰρημένων] Sensus fortasse est quam quod jussum erat.

304. παρίεσθαι (aut παραιεῖσθαι) Musgr. χρονίζεσθαι Martin. Franz. Pal., coll. Sept. 54. καὶ τῶνδε πύστις οὐκ ὄκνη χρονίζεται. Satis probabilis correctio. Sed praestat, opinor, παριέναι negligere (i. e. ὠτρυνε τοὺς σκοποὺς μὴ παριέναι).

308. Scribendum ἔστ' (ἕως τε). Dindorfius ἔς τε scribit, auctoritate nisus Etymologi M. p. 382, 7.

312. Cf. 348. τοιαῦτά τοι — κλύεις. 903. τοιοῖσδέ τοι νιν ἀξιῶ προσφθέγγασσι. 974. μέλοι δέ τοί σοι —. Pr. 964. τοιοῖσδε μέντοι —. Soph. Fr. 25, 1. τοιαῦτά τοι σοι — λέγω.

315. τοιοῦτον Elmsl. Blom. Recte.

319. διανεκῶς suadet Blomf. Similiter ναμερτῆς ναμέρτεια dicebant Attici potius quam νημερτῆς νημέρτεια, quae epicae formae sunt.

ὡς λέγεις (λέγεις) mss. οὐς λέγεις Both. Fort. πῶς λέγεις.

321. βόημα μιζτὸν frustra Hart.

322. ἄλειφαρ Pearson. Voss. Sch. Butler. Idem suadet Blom., quum altera forma Ionum propria fuisse videatur. Sic Hipponax Fr. 58. κἄλειφα ῥόδιον ἠδὲ —. Callim. Fr. 12. ἀπ' ὀστλίγγων ἀλὲν ἄλειφα ῥέει. In quibus duobus locis reponendum forsitan ἄλειμμα. Scriptura ἄλειφα orta videatur ex dittographia ἄλειφαρ et ἄλειμμα. Doliorum ἄλειφαρ (i. e. pix) memoratur Theocr. 7, 147. Cf. (πεῖραρ) πείρατος, (ὄνειραρ) ὄνειρατος (Ch. 531.), ὄνειρατα etc.

323. οὐ φίλως προσεννέποις] Requiritur, ni fallor, participium aliquid quod praecedenti διχοστατοῦντα respondeat Qu. οὐ φίλως συνόντι' ἴδοις. Vel οὐ φίλως ῥέοντι' ἴδοις. (Cf. Suppl. 328. πόνου δ' ἴδοις ἂν οὐδαμοῦ ταῦτὸν πτερόν. Hom. Il. 2, 753. οὐδ' ὄγε (Τιταρήσιος) Πηνειῶ συμμίσγεται ἀργυροδίνῃ, | ἀλλὰ τέ μιν καθύπερθεν ἐπιρρέει ἠὲτ' ἔλαιον.) Vel οὐ φίλως ἂν εἰσίδοις. (Soph. Ant. 474. τὸν ἐγζωατέστατον | σίδηρον ὀπτὸν — ῥαγέντα πλεῖστ' ἂν εἰσίδοις.) Vel οὐ φίλως κραθέντι' ἴδοις. (Cf. Eur. Ion. 1016. εἰς ἔν δὲ κραθέντι' αὐτὸν ἢ χωρὶς φορεῖς;) Vel διχοστατοῦντι' ἂν, οὐχὶ συρρέοντι', ἴδοις. Vel — οὐ φίλως εἰς ἔν ῥέοι. (Emped. v. 94. ἄλλοτε μὲν φιλότητι συνερχόμεν' εἰς ἔν ἅπαντα, | ἄλλοτε δ' αὖ δίχ' ἕκαστα φορεύμενα νείκεος ἔχθει. 331. ἐχθρὰ